

वटनीय वि. (तत्.) 1. वटन के योग्य 2. जिसका वटन होना हो दे. वटन।

वठ वि. (तत्.) 1. अंगहीन 2. पंगु दे. वट।

वड वि. (तत्.) दे. वठ।

वडा स्त्री. (तत्.) व्यभिचारिणी स्त्री।

वदक वि. (तत्.) 1. वंदना करने वाला 2. प्रशंसक।

वदन पुं. (तत्.) वंदना, प्रणाम या प्रशंसा करने की क्रिया या भाव।

वदनधूरि स्त्री. (तद्.) वंदना या पूजन के उपयोग में आने वाली (रंगीन) धूल, अबीर, गुलाल।

वदनमाल स्त्री. (तत्.) मांगलिक अवसरों जैसे पूजन, हवन, विवाह, उत्सव आदि पर द्वार पर लगाई जाने वाली फूल-पत्ती आदि से बनी माला, बंदनवार, तोरण।

वदनमाला स्त्री. (तत्.) दे. वदनमाल।

वदनमालिका स्त्री. (तत्.) दे. वदनमाल।

वदनवार स्त्री. (तद्.) दे. वदनमाल।

वदना स्त्री. (तत्.) 1. स्तुति 2. प्रार्थना 3. नमन 4. प्रशंसा।

वदनी स्त्री. (तत्.) 1. वंदना, अर्चना 2. माँगने का भाव, याचना 3. शरीर पर लगाए जाने वाले धार्मिक चिह्न 4. गोरोचन।

वदनीय वि. (तत्.) 1. वंदना के योग्य 2. जिसकी वंदना की जानी हो 3. सम्माननीय।

वदारु वि. (तत्.) 1. वदनीय 2. वंदना में तत्पर, वंदनशील।

वदित वि. (तत्.) जिसकी वंदना की गई हो दे. वंदना।

वदिता वि. (तत्.) वदनीया, वंद्या।

वदिनी वि.स्त्री. (तत्.) 1. दे. वदिता 2. दे. 'बदिनी'।

वंदी पुं. (तत्.) 1. वंदना करने वाला 2. बंदी, कैदी।

वंदीगृह पुं. (तत्.) कारागार, जेल।

वंदीजन पुं. (तत्.) 1. स्तुतिगायकों की जाति 2. स्तुति गायकों का समूह पर्या. चारण, भाट।

वंद्य वि. (तत्.) वंदना के योग्य, वंदनीय।

वंध्या पुं. (तत्.) वह स्त्री या मादा पशु जो गर्भ धारण करने या प्रसव करने में असमर्थ हो, बाँझ।

वंश पुं. (तत्.) 1. प्राणियों या वनस्पतियों की कुल परंपरा, कुल, खानदान 2. बाँस, बाँसुरी 3. प्राचीनकाल में लंबाई का एक माप जो प्रायः बारह हाथ के बराबर माना जाता था उदा. चार बाँस (वंश) चौबीस गज अंगुल अष्ट प्रमाण।

वंशक पुं. (तत्.) 1. छोटे आकार वाली जाति का बाँस, 2. छोटा बाँस 3. बाँस की एक गाँठ या पोर 4. अगरु की लकड़ी।

वंशकपूर पुं. [तत्.+तद्.] वंशलोचन नामक ओषधि वि. यह बाँस का सारभाग होता है जो बाँस की गाँठों के जल जाने पर सफेद रंग के छोटे-छोटे टुकड़ों में प्राप्त होता है, यह प्रायः असम व बंगाल के लंबे पोरों वाले बाँस से प्राप्त होता है। आयुर्वेद के अनुसार यह क्षय, पांडु, पित्त, कास आदि रोगों के निवारण के लिए प्रयोग किया जाता है।

वंशकर पुं. (तत्.) वंश का प्रारंभ करने वाला मूल पुरुष जैसे- सूर्यवंश का वंशकर सूर्य है।

वंशक्रम पुं. (तत्.) किसी वंश में जन्मे हुए लोग, वंशावली, वंशपरंपरा।

वंशक्रमागत वि. (तत्.) वंशक्रम के अनुसार परंपरा से प्राप्त होने वाला (गुण, संपत्ति इत्यादि), वंशानुगत, आनुवंशिक, कुल परंपरा प्राप्त।

वंशज वि. (तत्.) वंश में उत्पन्न होने वाला पुं. वंशधर, संतान जैसे- हम मनु के वंशज हैं।

वंशतिलक पुं. (तत्.) वंश का श्रेष्ठ पुरुष, कुल तिलक।

वंशधर पुं. (तत्.) वंश की रक्षा करने वाला, वंश की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला दे. वंशज ।